

एक दिन



जगदीश जोशी

अनुवाद पृथ्वीराज मोंगा

ISBN 81-237-2798-4

पहला संस्करण 2000 (*शक 1921*)

One Day...(*Hindi*)

रु. 15.00

निदेशक, नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया

ए-5 ग्रीन पार्क, नयी दिल्ली-110 016 द्वारा प्रकाशित

नेहरू बाल पुस्तकालय

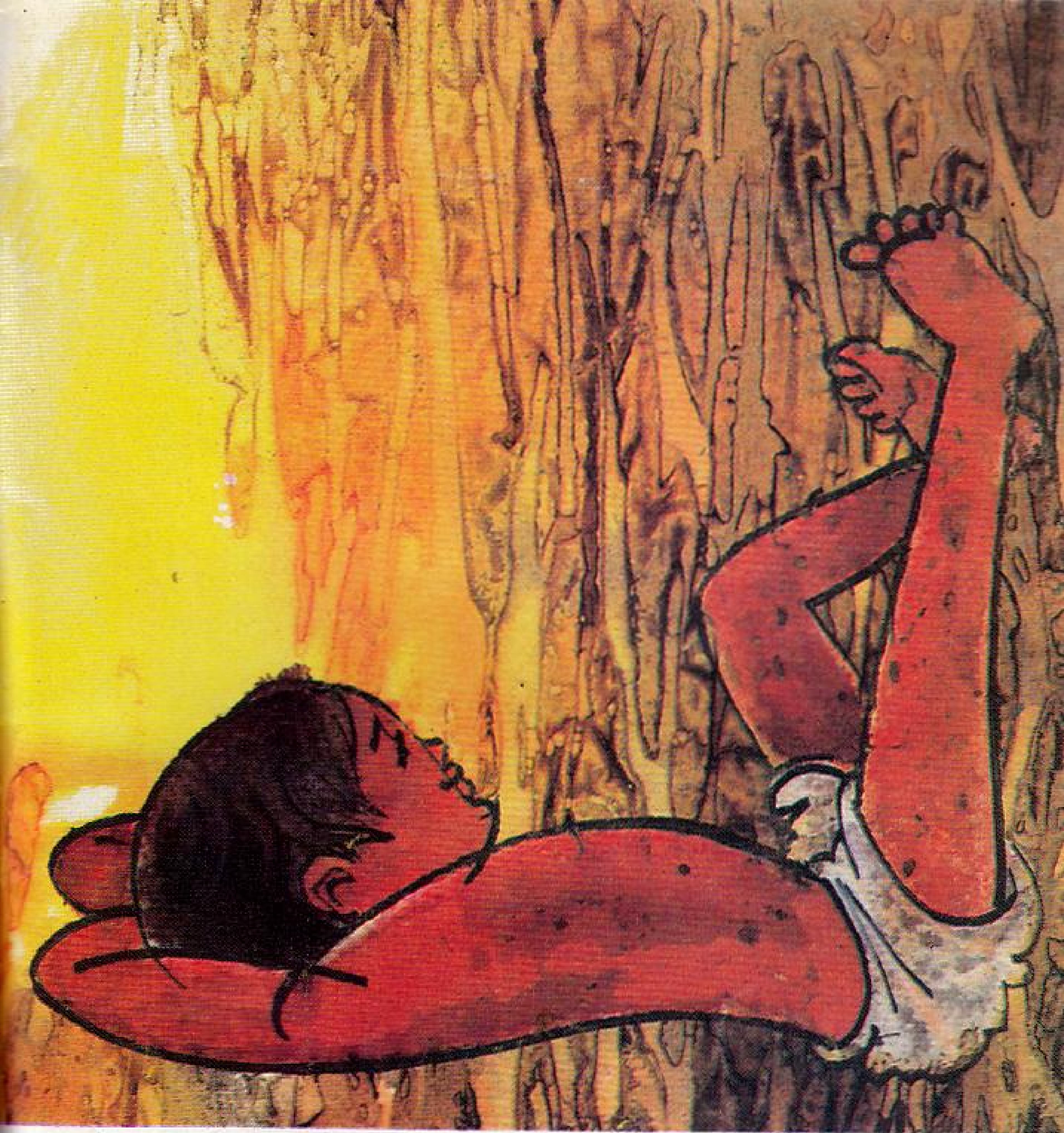
एक दिन . . .

जगदीश जोशी अनुवाद : पृथ्वीराज मोंगा



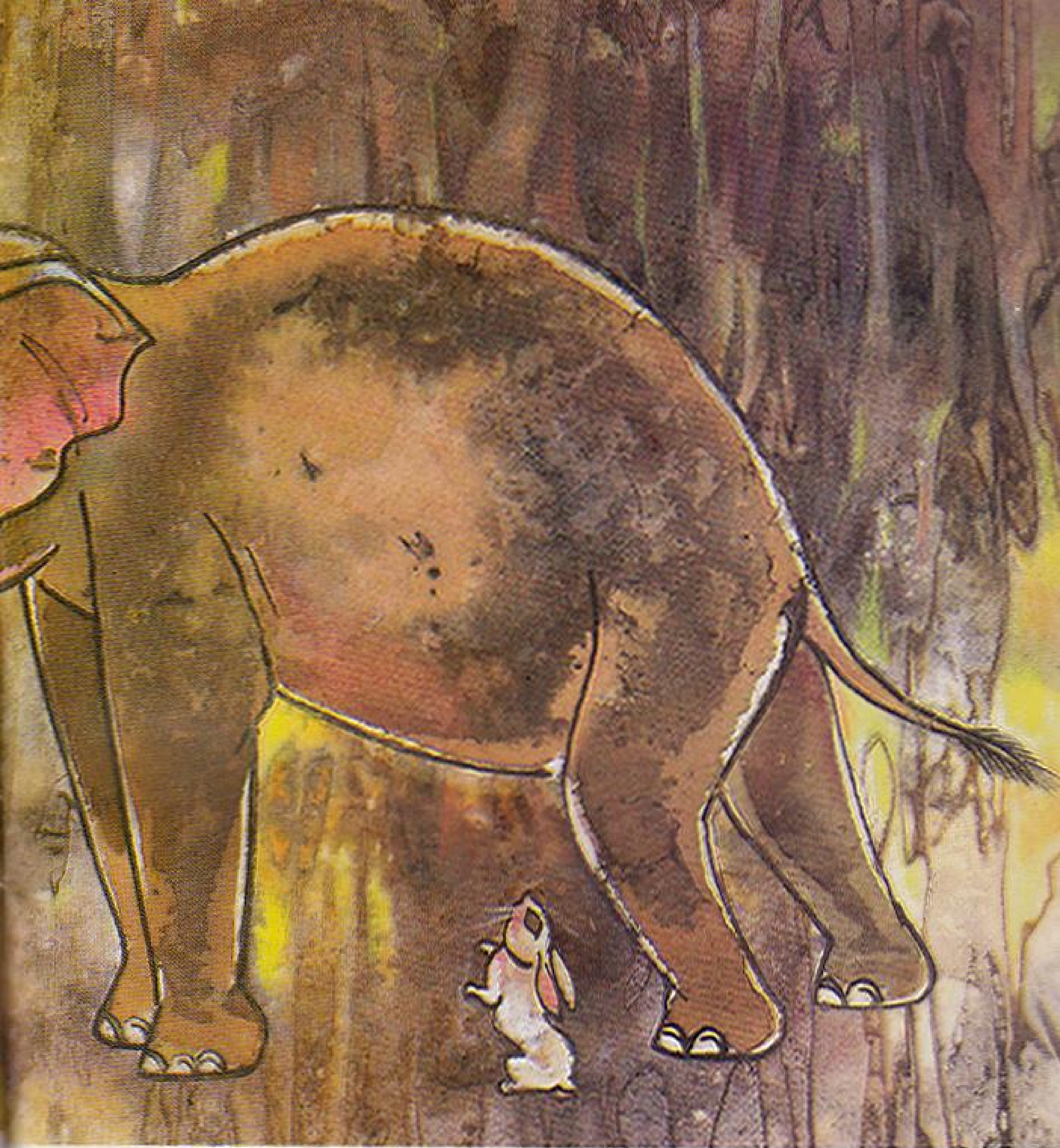
नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया





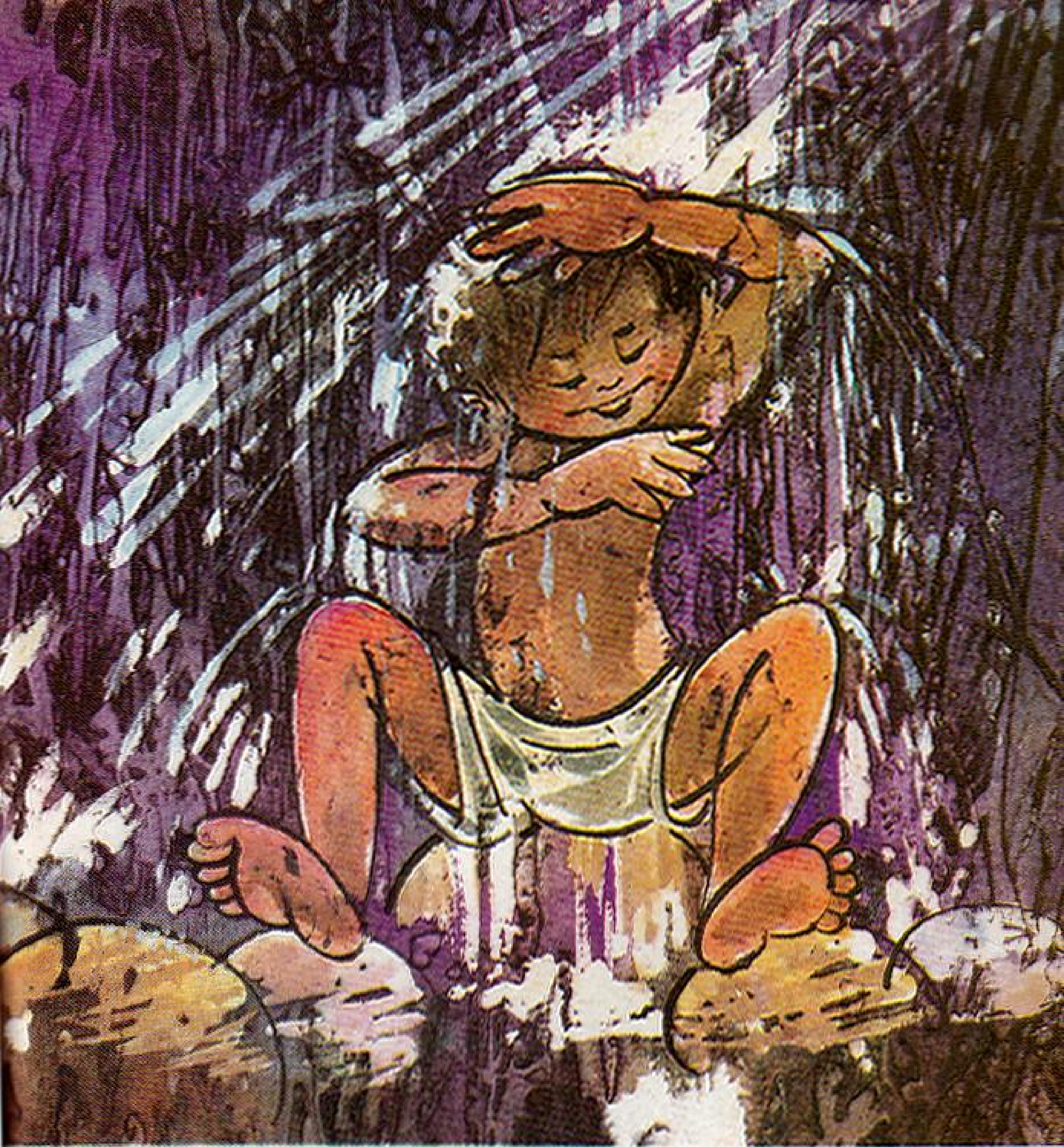
माना एक छोटा सा लड़का है। वह वन में अपने पिता के साथ रहता है। माना की उम्र का वहां कोई नहीं। माना किसके साथ खेले ? लेकिन उसका एक बहुत प्यारा दोस्त है। आज माना उसी की राह देख रहा है।



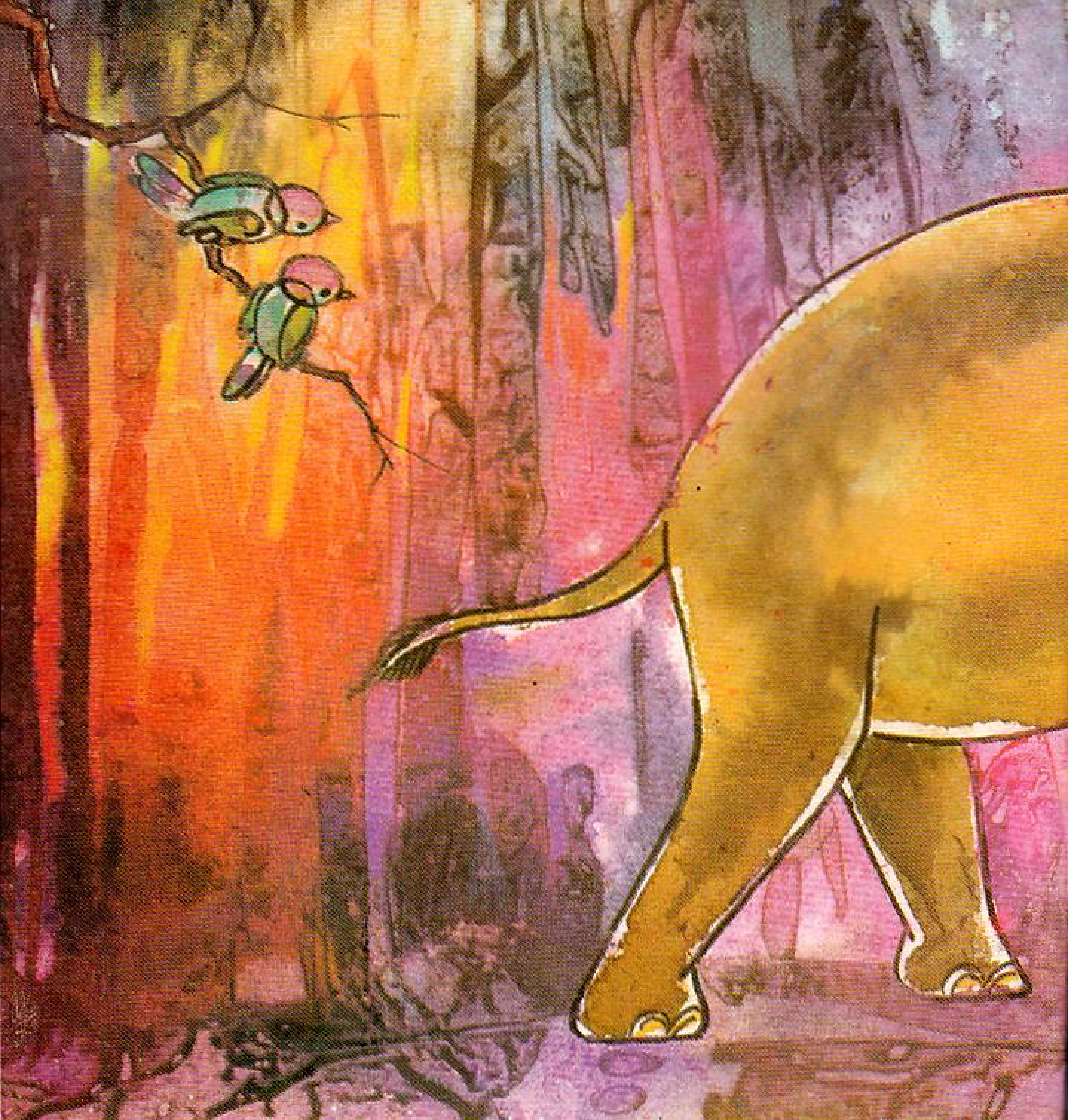


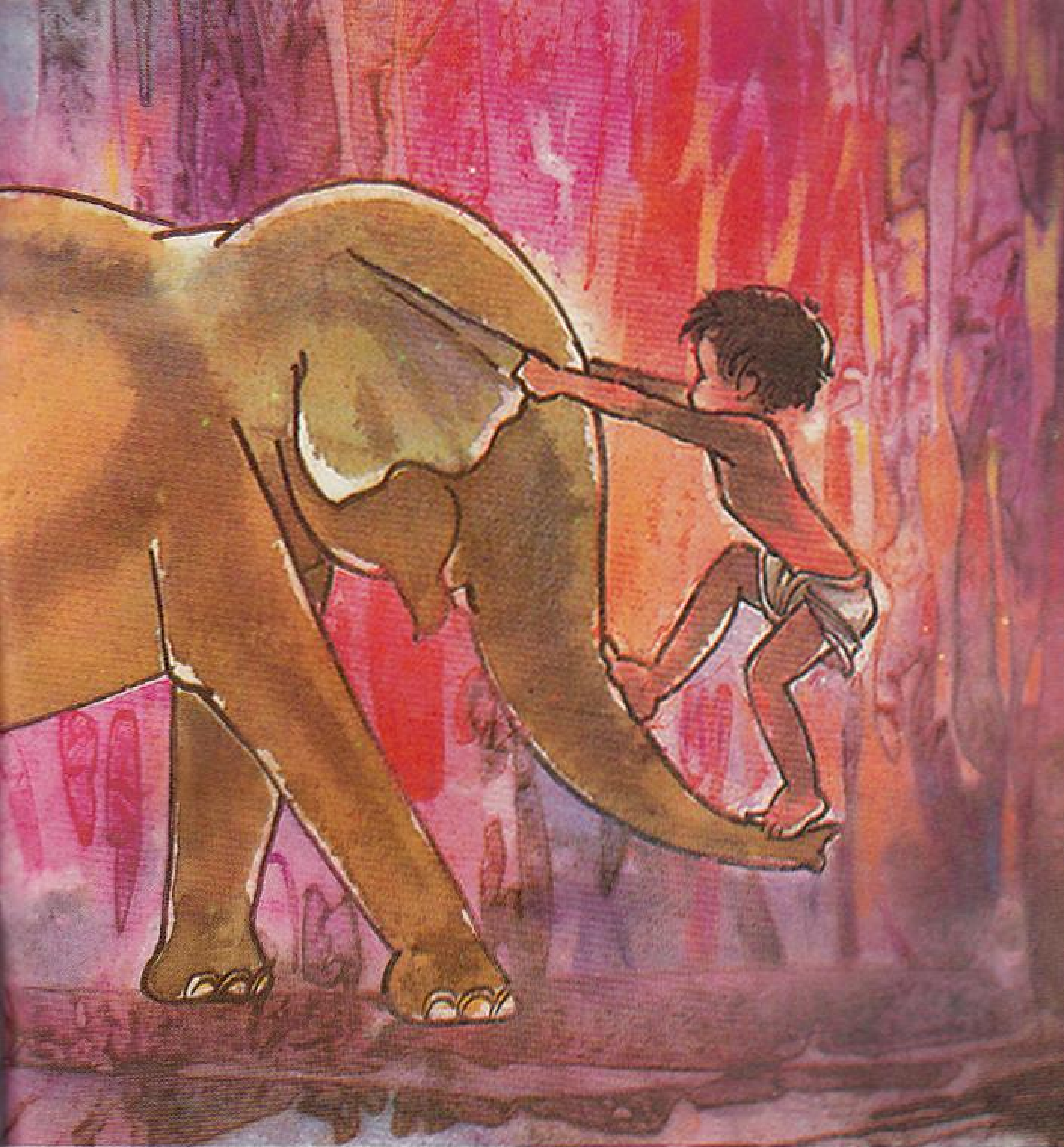
माना का दोस्त है एक हाथी। उसका नाम अप्पू है। ओह ! कितना बड़ा है अप्पू ! कितने बड़े-बड़े कान ! और कितनी लंबी सूंड़ !





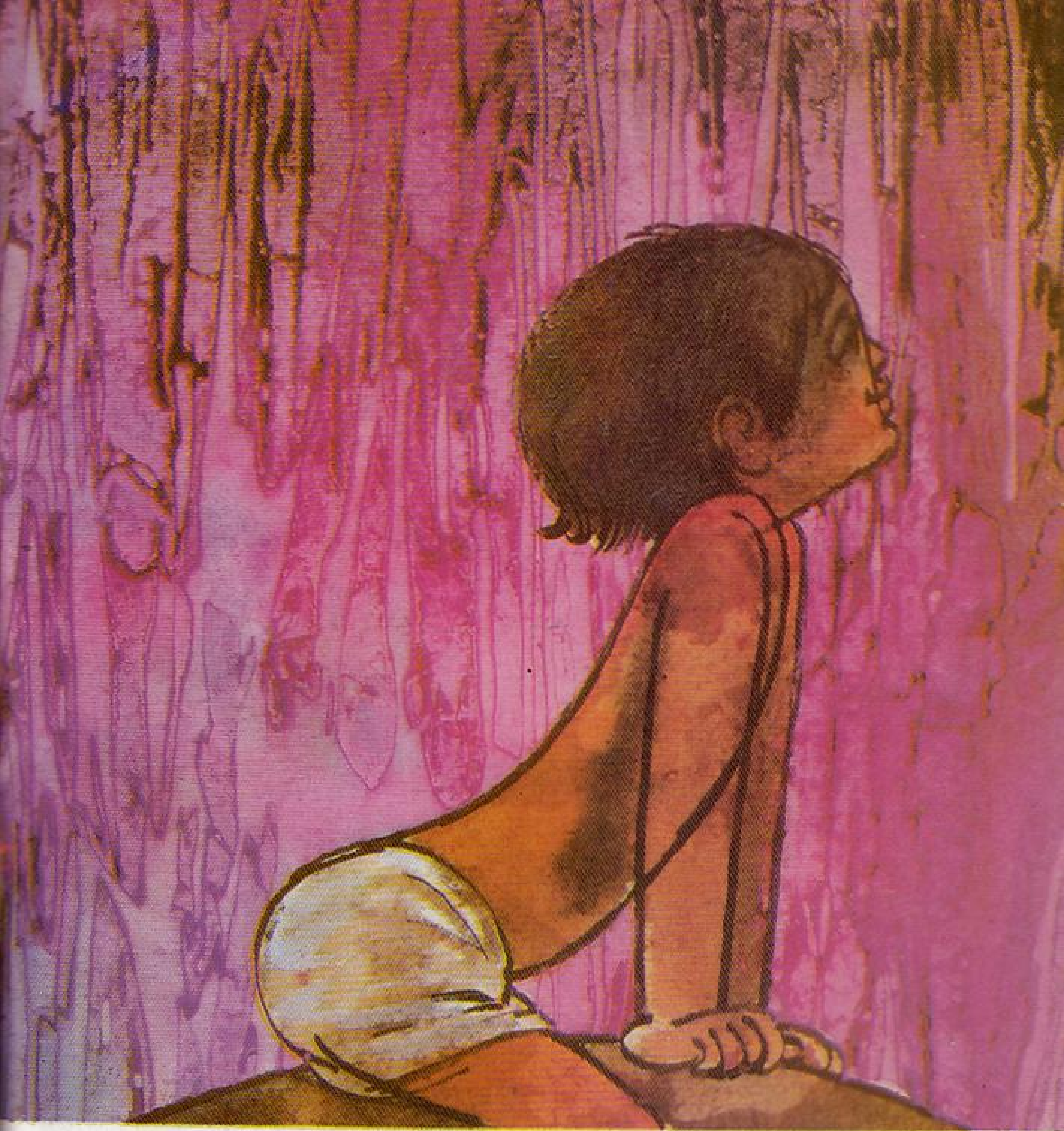
माना और अप्पू खेलने के लिए नदी पर जाते हैं। अप्पू अपनी सूंड़ में पानी भरता है, और अपने दोस्त माना पर फौवारा डाल देता है।



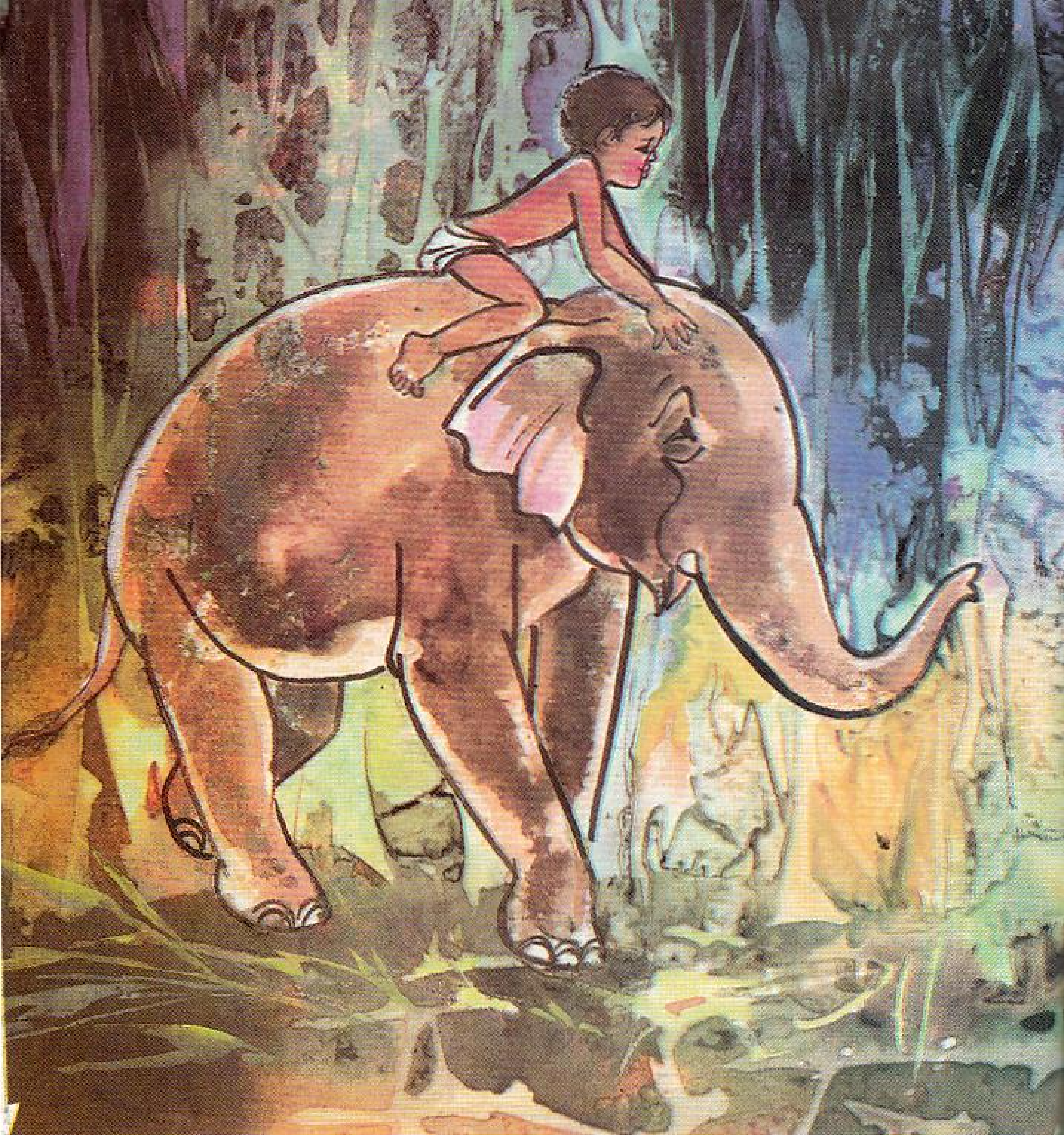


दोनों नहा चुके तो माना उठ खड़ा हुआ। उसने अप्पू के कान पकड़े। फिर वह सूंड़ पर चढ़ते हुए अप्पू की पीठ पर जा बैठा। दोनों दोस्त अब जंगल में घूमने लगे।



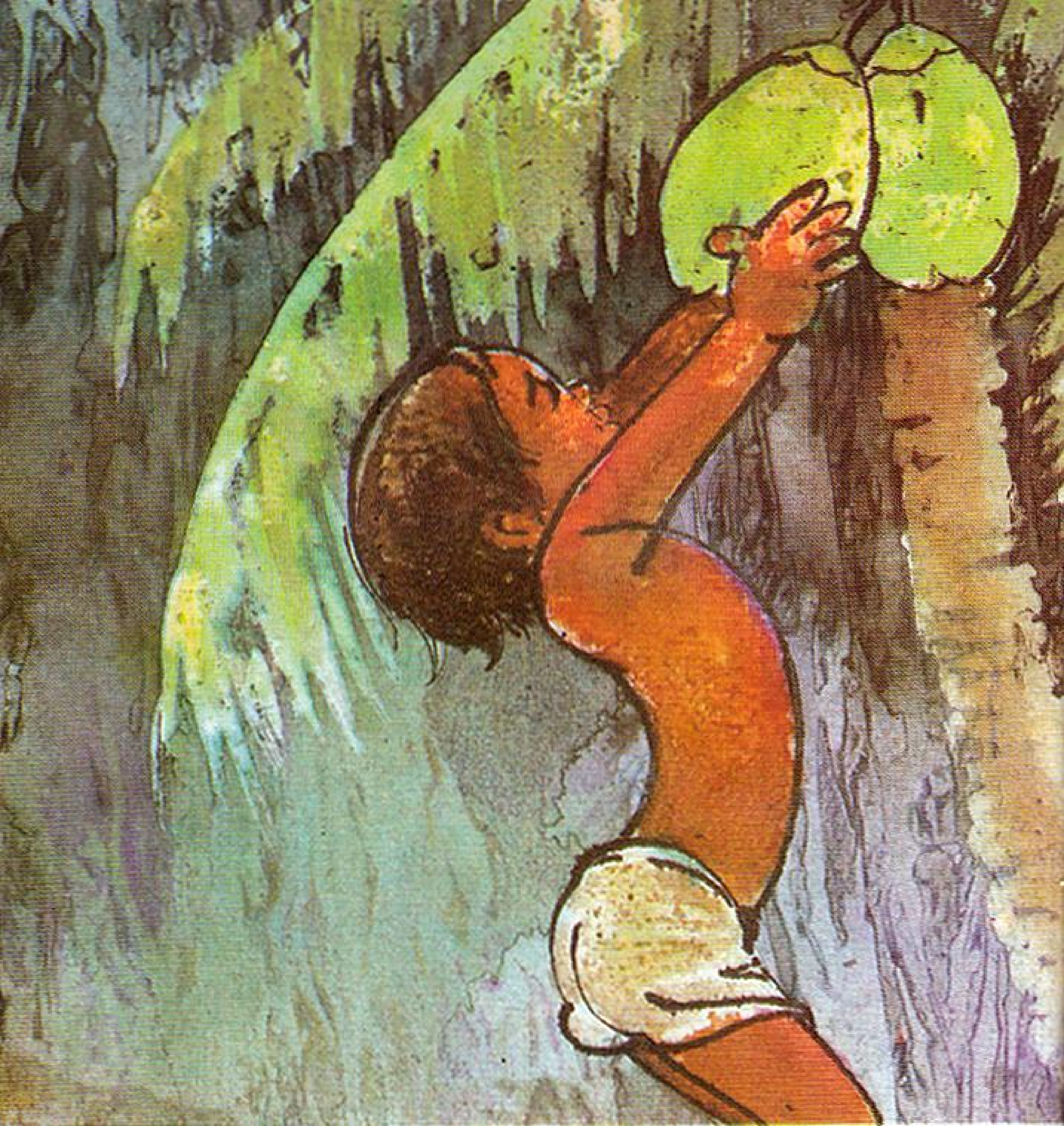


माना को अप्पू की सवारी का मजा आ रहा है। वे बहुत से जंगली जानवर देखते हैं।





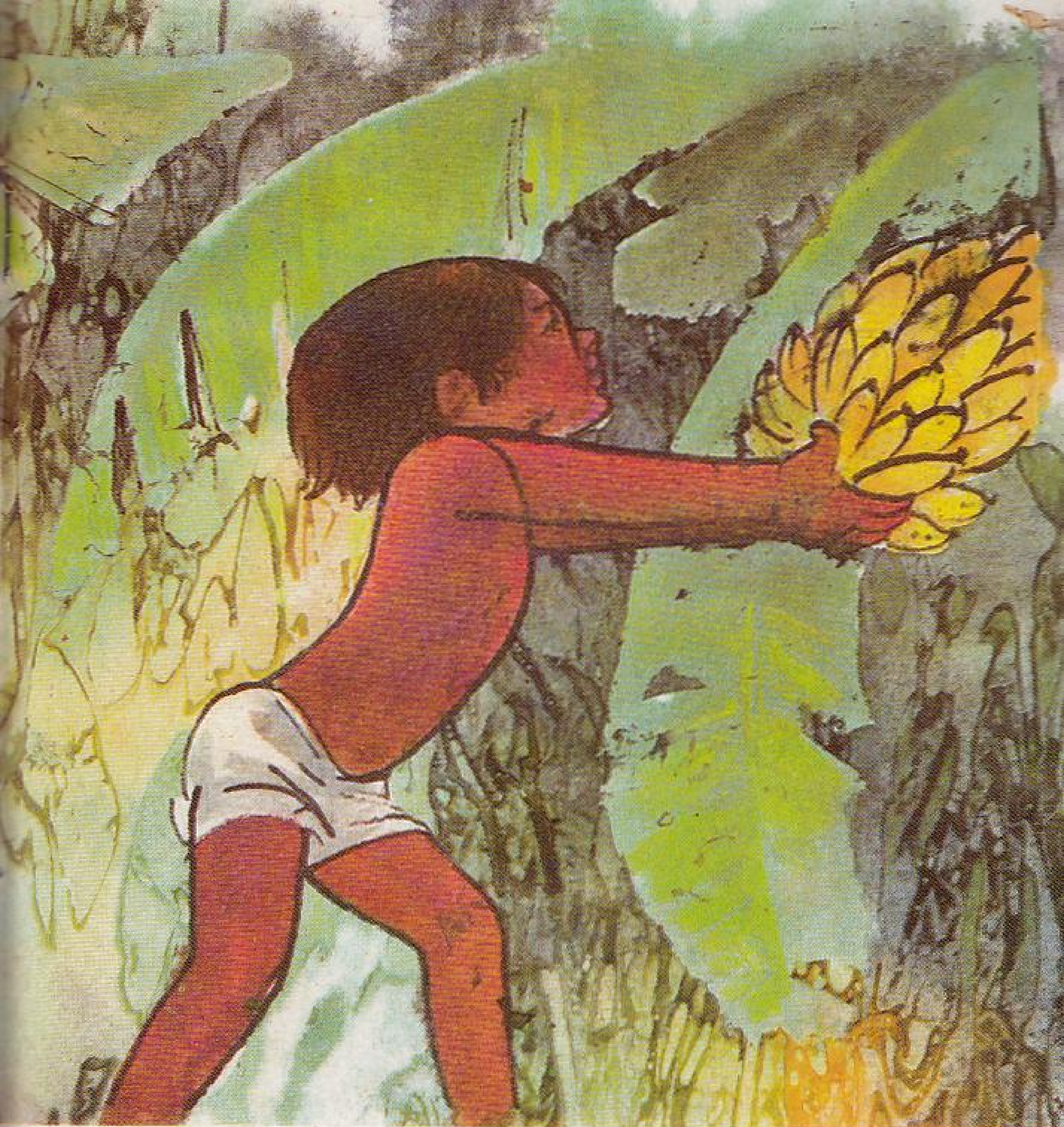
उन्होंने हिरण को देखा। बहुत से खरगोश भी देखे। लग रहा था जैसे वे सब अप्पू से डरते हैं।





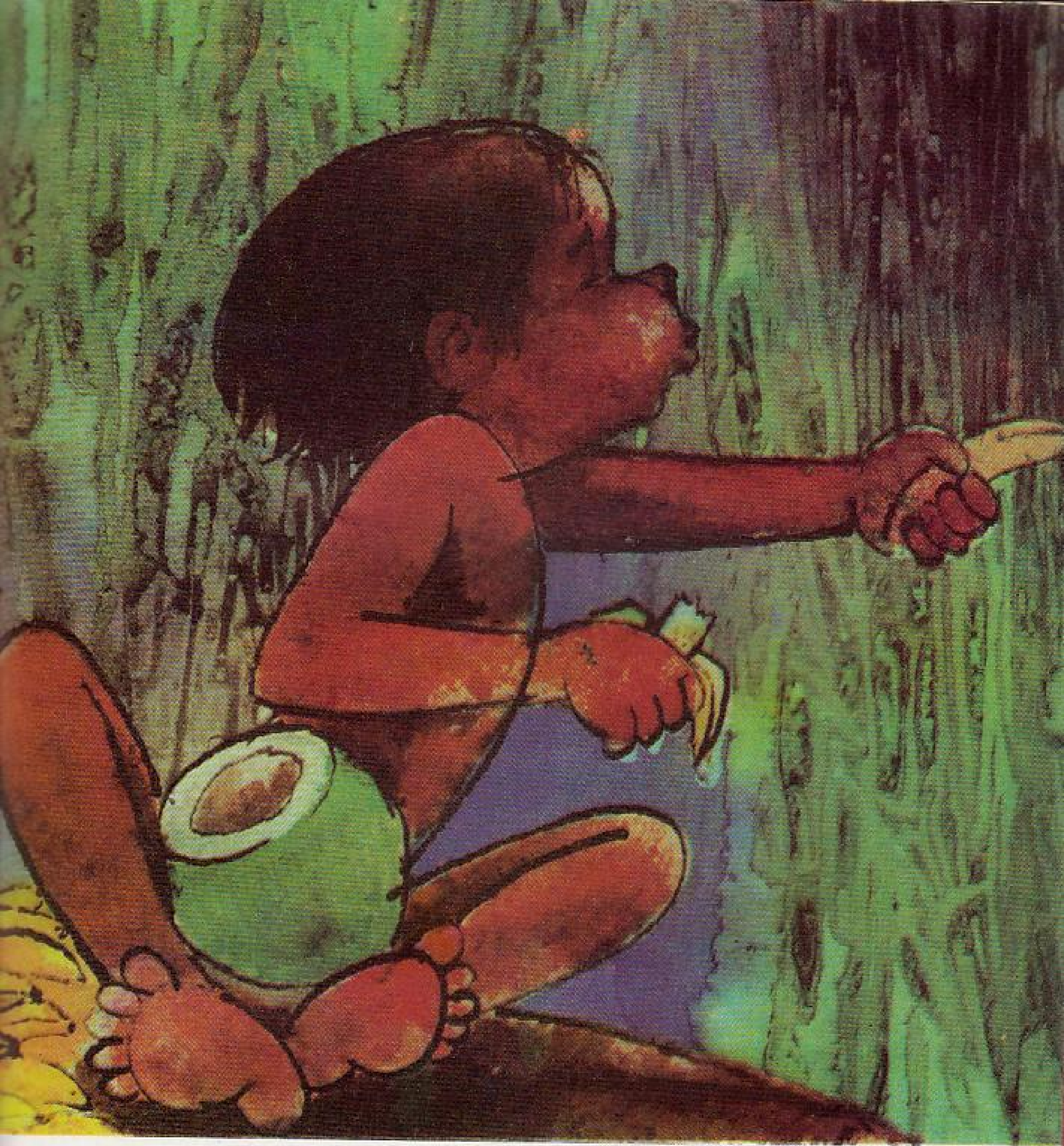
वे नारियल के पेड़ के पास पहुंचे। वाह, कितने बड़े-बड़े फल ! लेकिन माना उन फलों तक पहुंच न सका। तब अप्पू ने माना को अपनी सूंड़ में लपेट कर ऊपर उठाया, और माना ने कुछ नारियल तोड़ लिए।





अब वे केले के पेड़ के पास आये। उन्होंने केलों का भी एक बड़ा गुच्छा तोड़ लिया।



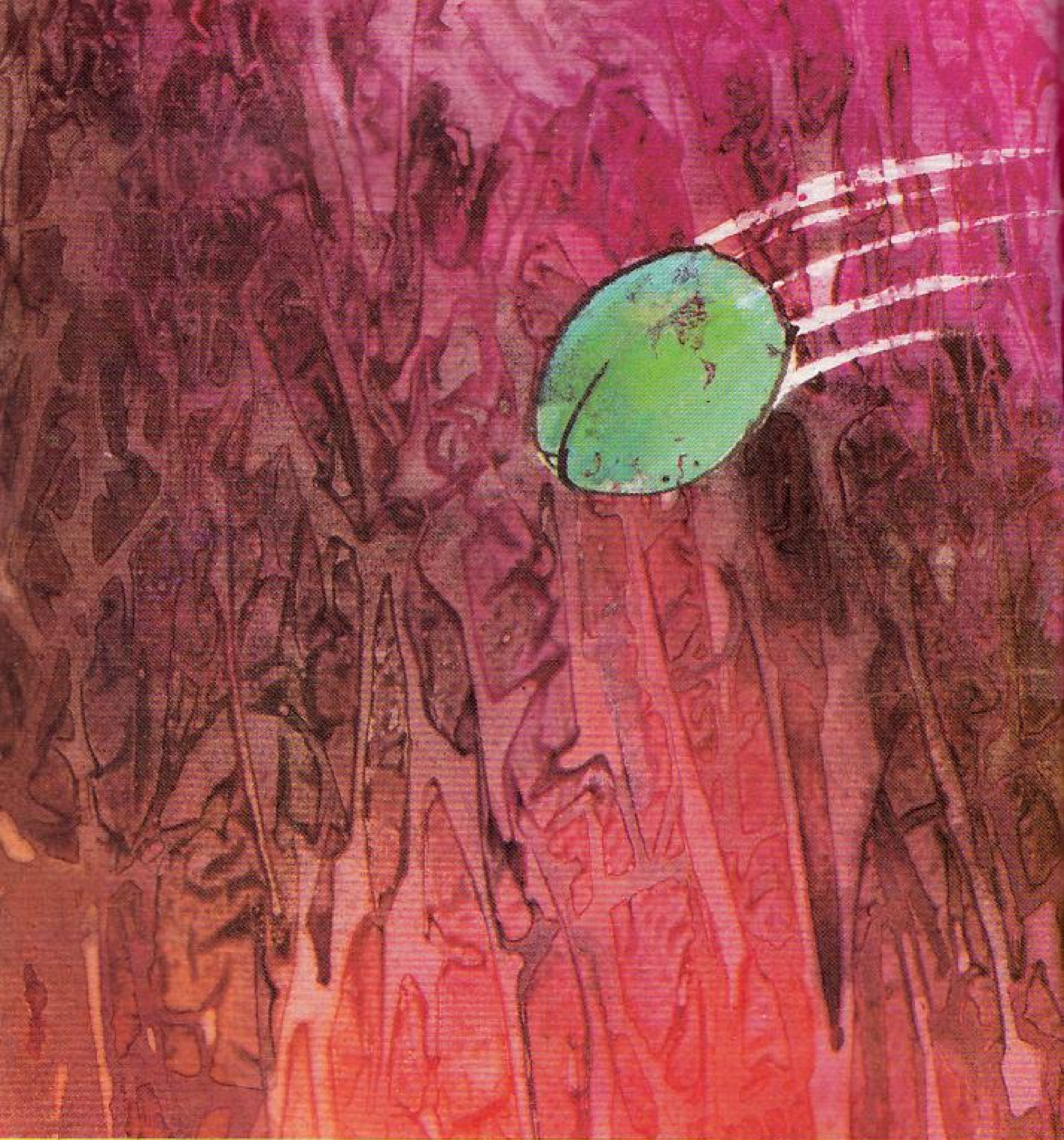


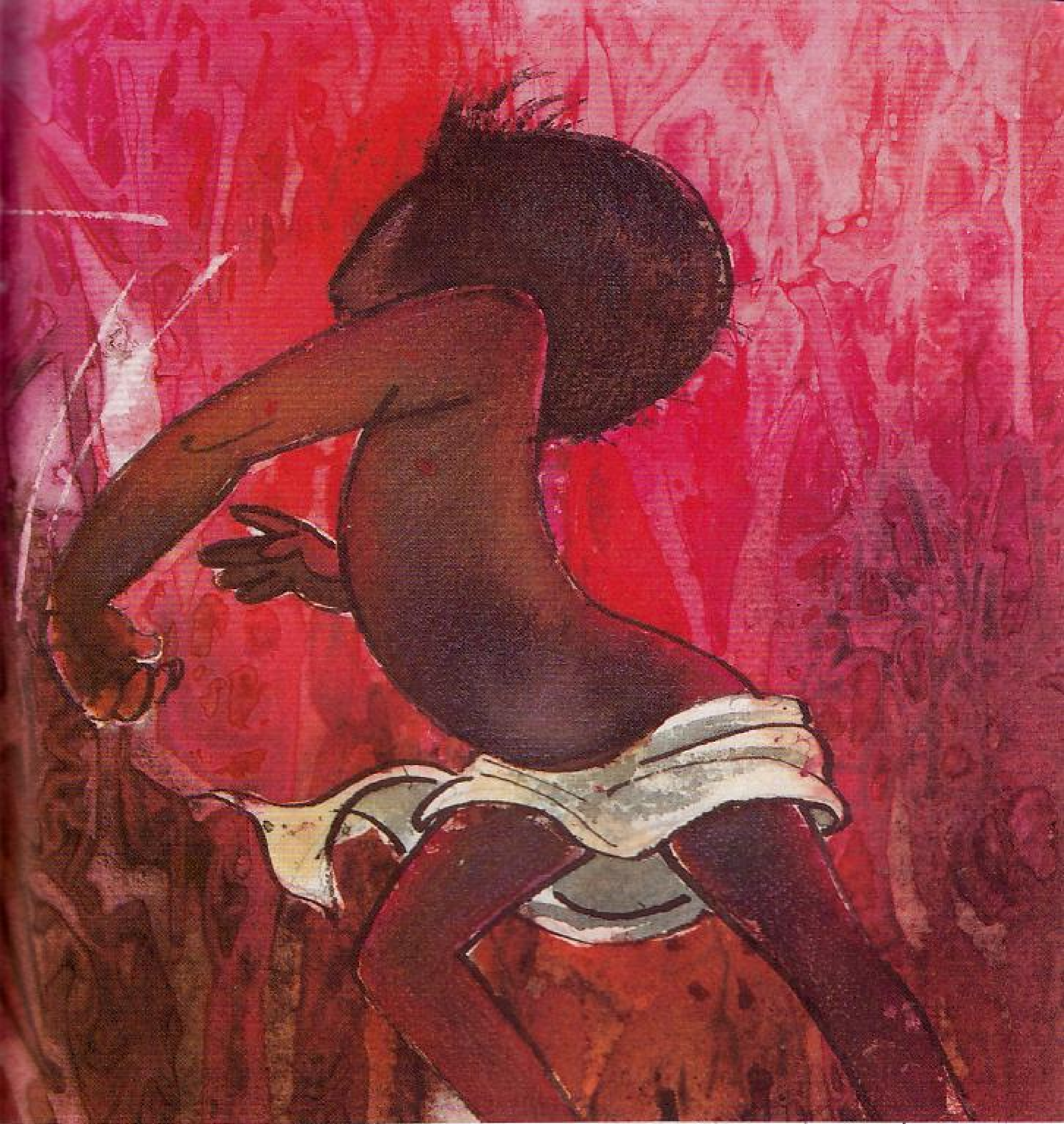
दोनों मजे से खा-पी रहे हैं। केले खाना और प्यास लगने पर नारियल का पानी पीना।



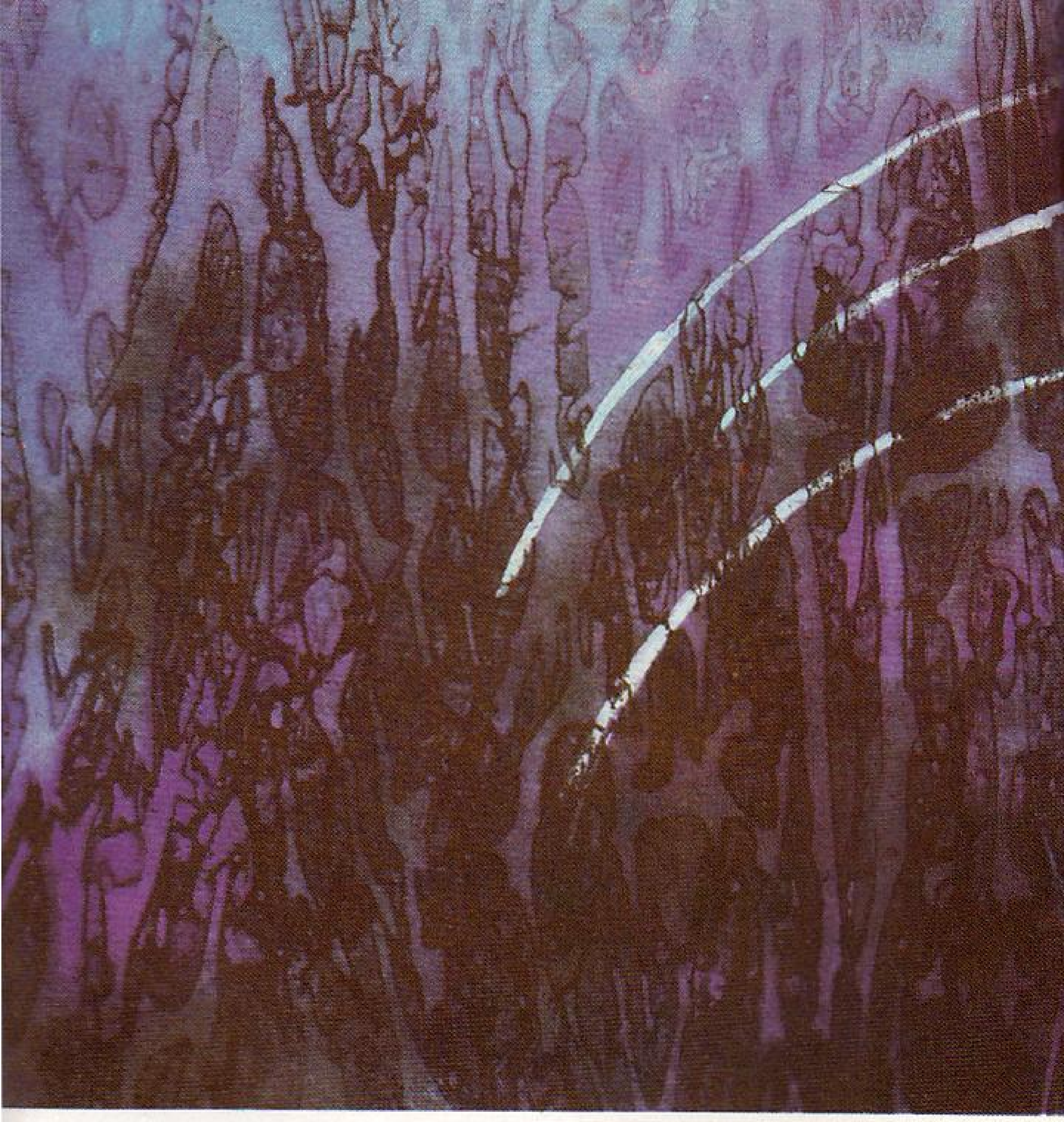


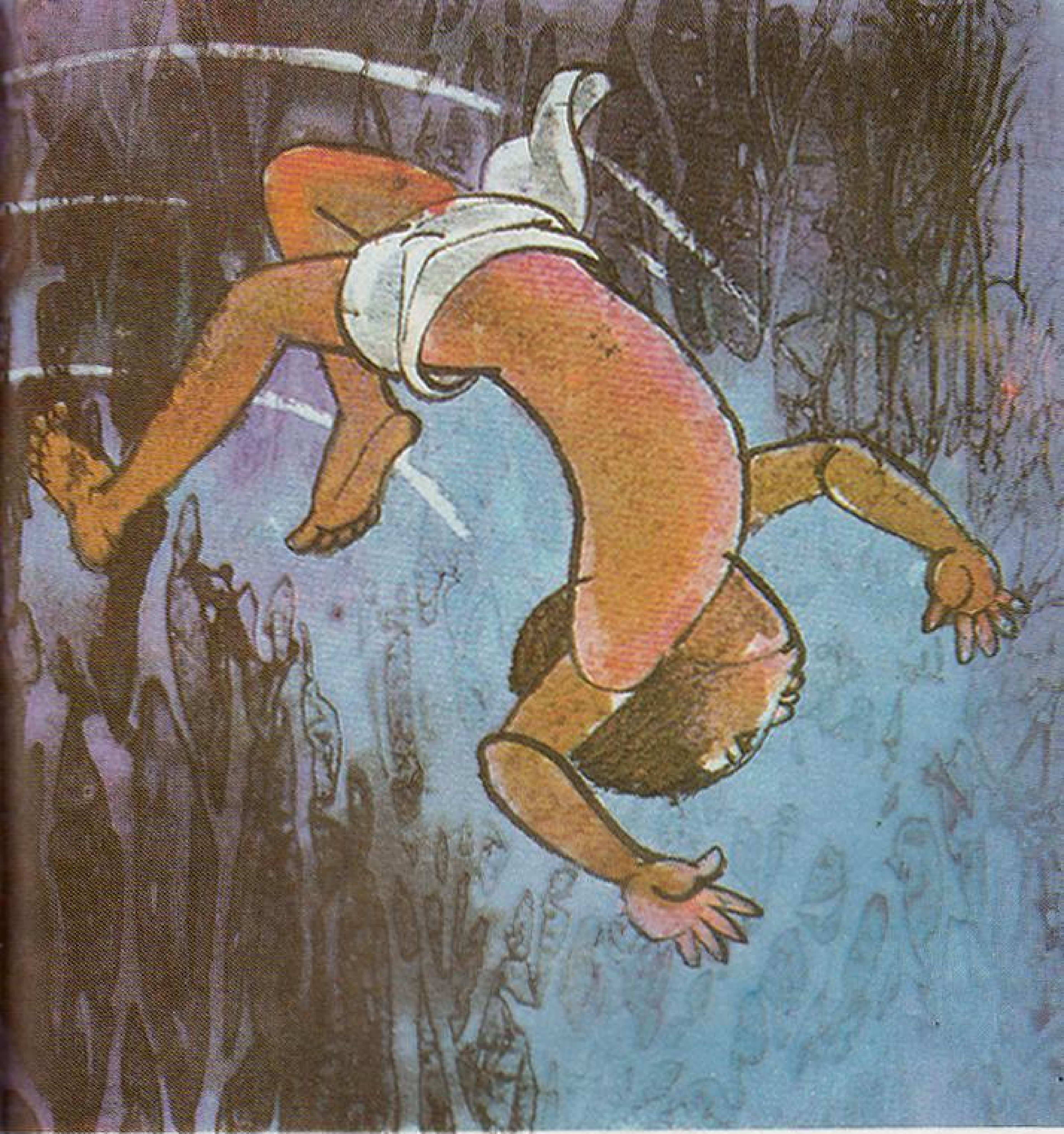
अचानक उन्होंने डरावनी दहाड़ सुनी। यह बाघ की दहाड़ थी। बाघ से सभी जानवर डरते हैं। माना को अपने ऊपर बिठाकर अप्पू भी भागने लगा।





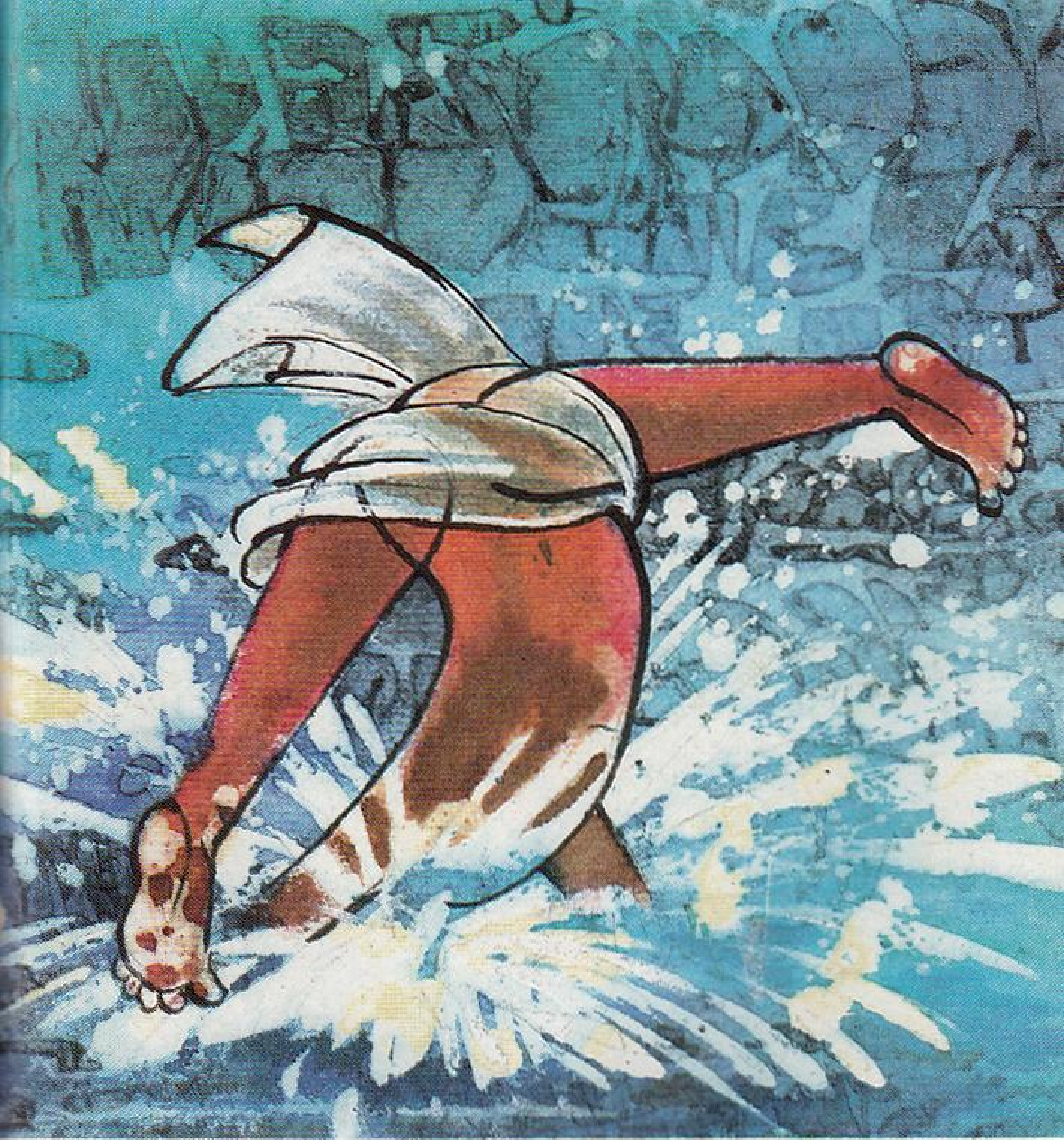
लेकिन माना डरा नहीं। वह अप्पू की पीठ पर खड़ा होकर बाघ पर नारियल फैंकने लगा।





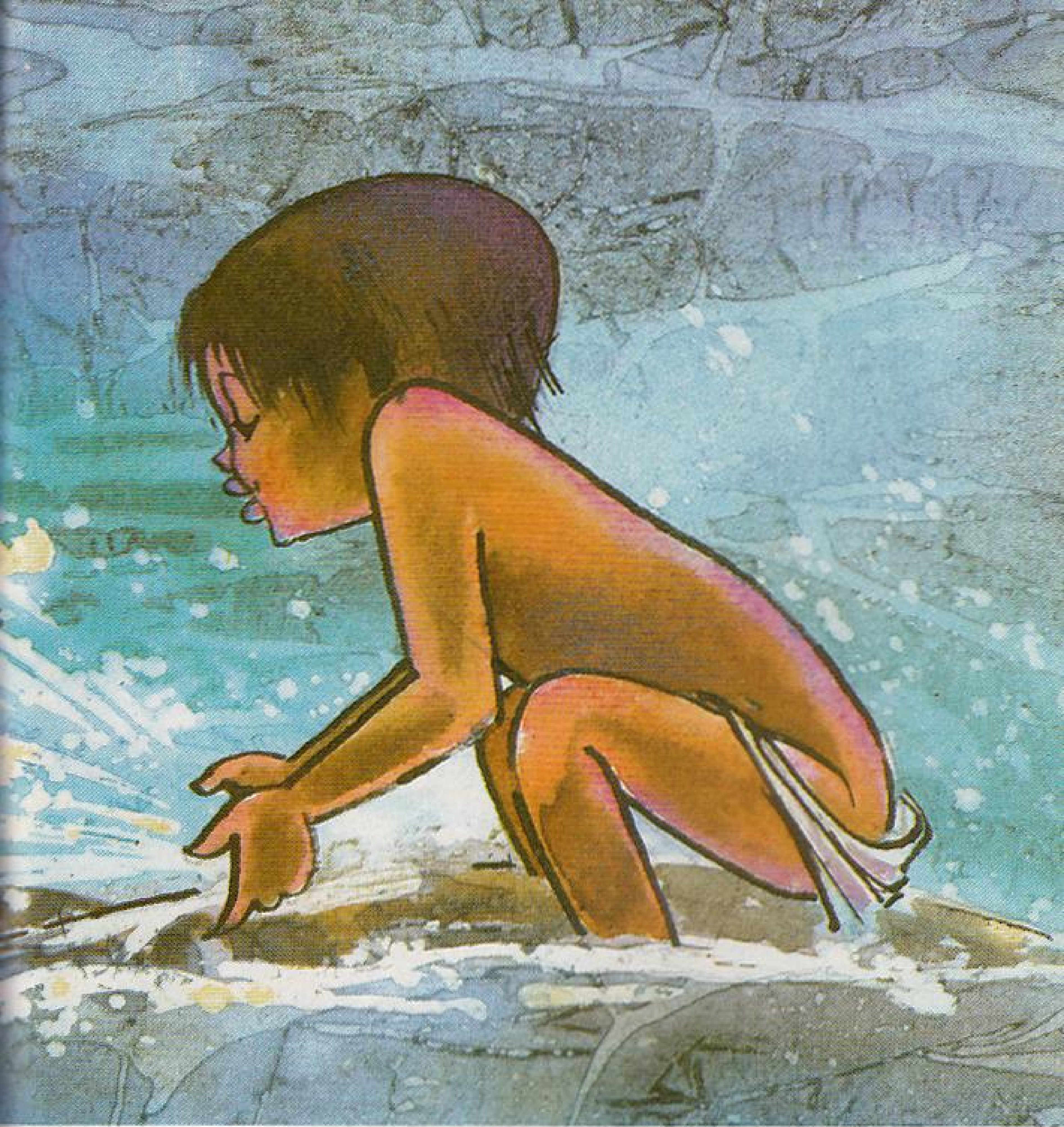
अप्पू नदी के किनारे पहुंच कर एकाएक रुक गया। माना अपने आप को संभाल न सका। वह अप्पू की पीठ से फिसला और कलाबाजी खाने लगा।





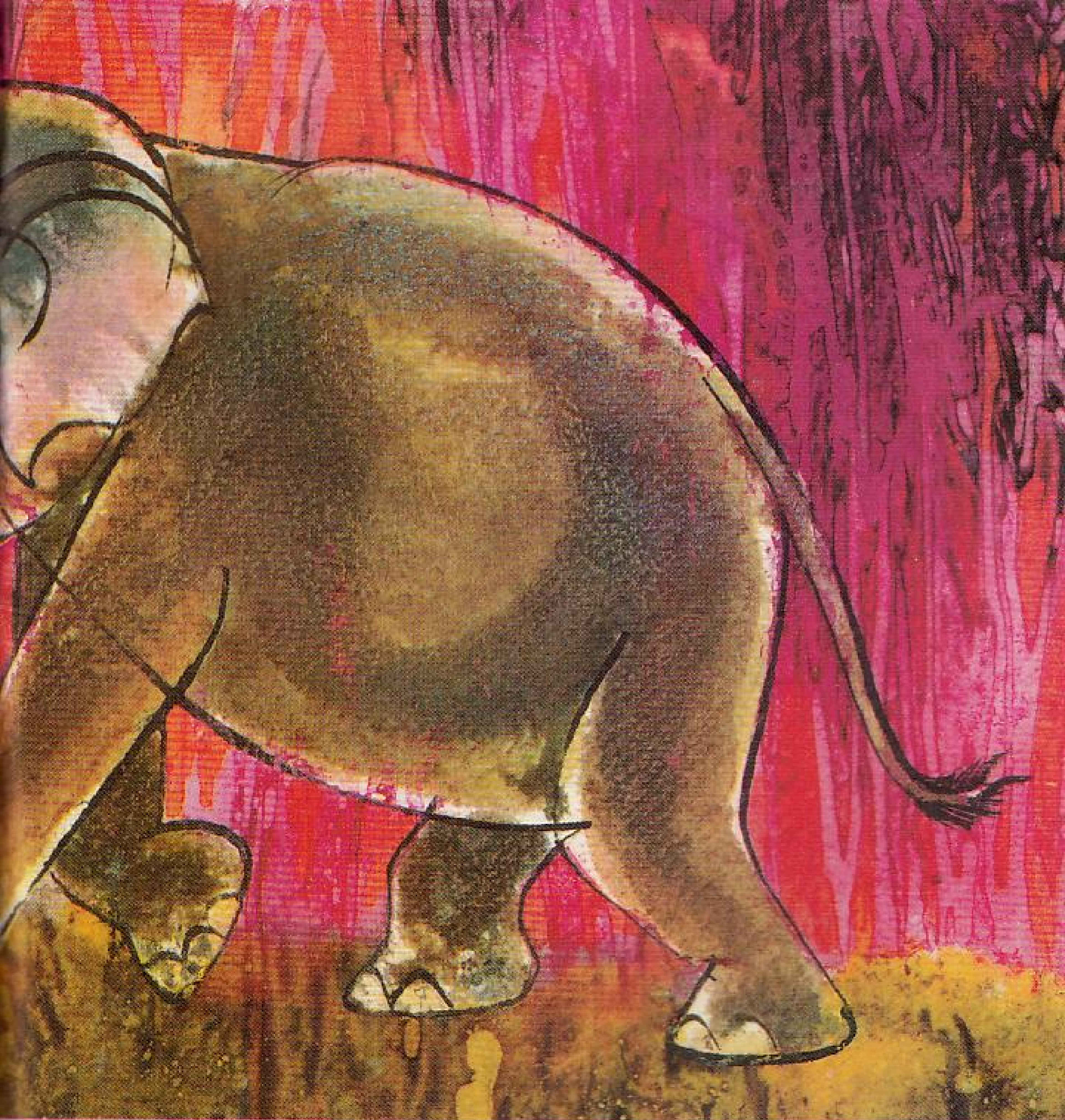
और नदी में जा गिरा -- छ...पा...क





माना ने अप्पू को भी पानी में खींच लिया। दोनों एक-दूसरे पर पानी उछालने लगे। वाह ! कितना मजा आ रहा है !





ओह ! घर जाने का समय हो गया।



“अच्छा...तो... कल मिलेंगे।” अप्पू ने अपनी सूंड़ हिलाई।

रु. 15.00 ISBN 81-237-2798-4



नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया